



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 31, 1978/माघ 11, 1899
No. 41] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 31, 1978/MAGHA 11, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1978

सा० का० नि० 57(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 389(अ), तारीख 1 जुलाई, 1975 का अधिक्रमण करते हुये यह निदेश देती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिन की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् कलकत्ता पत्तन में प्रवेश करने वाले तथा इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ (1) में वर्णित जलयानों पर, उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में दी गई वरों पर तथा स्तम्भ (3) में नियत समय पर पत्तन शुल्क उव्गृहीत किए जाएंगे:—

अनुसूची

प्रक्षार्य जलयान	प्रति एन आर टी पत्तन शुल्क की दर		उसी जलयान की बाबत संदाय कब-कब लिया जायेगा
	समुद्रपारीय व्यापार में लगे हुए जलयान	तटवर्ती व्यापार में लगे हुए जलयान	
1	2	3	
I. 20 टन और इससे अधिक के समुद्रगामी जलयान			
	र०	र०	
(i) मेल स्टीमर	1.80	1.08	देय 60 दिनों में एक बार संदेय होगा।
(ii) अन्य समुद्रगामी जलयान, 6,000 टन से अनाधिक	1.80	1.08	देय पत्तन में प्रति प्रवेश पर संदेय होगा।

1	2		3
	रु०	रु०	
(iii) अन्य समुद्रगामी जलयान, 6,000 टन से अधिक	3.50	2.10	देय पत्तन से प्रति प्रवेश पर संदेय होगा।
(iv) जलयान जो पोत स्थिरक भार के साथ आये और जिनसे यात्री न हों।	मद I(ii) और (iii) में दी गई दरों का 75%	मद I(ii) और (iii) में दी गई दरों का 75%	देय पत्तन से प्रति प्रवेश पर संदेय होगा।
(v) जलयान जो पोत स्थिरक भार के साथ आये और वैसे ही चले जाये और जिनसे यात्री न हों।	मद I(ii) और (iii) में दी गई दरों का 50%	मद I(ii) और (iii) में दी गई दरों का 50%	देय पत्तन से प्रति प्रवेश पर संदेय होगा।
(vi) धूनी और देशी नावें	0.90	0.54	देय तीस बिसो में एक बार संदेय होगा।
II कर्ष नावें (टग) और नदी स्टीमर	1.80	1.08	देय प्रत्येक वर्ष में एक बार 1 जनवरी और 30 जून, के बीच तथा एक बार 1 जुलाई तथा 31 दिसम्बर के बीच संदेय होगा।

[फा० स० पी जी आर-15/77/(1)]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st January, 1978

G.S.R. 57(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. GSR 389 (E), dated the 1st July, 1975, the Central Government hereby directs that, with effect from the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, port dues shall be levied on vessels entering the Port of Calcutta and described in Column (1) of the Schedule hereto annexed, at the rates specified in the Column (2) thereof and at the time fixed in Column (3) of the said Schedule.

SCHEDULE

Vessels Chargeable	Rate of Port Dues per N.R.T.		Frequency of payment in respect of the same vessel
	Vessel engaged in Overseas trade	Vessel engaged in Coastal trade	
1	2	3	
	Rs.	Rs.	
1. Sea-going vessels of 20 tons and upwards			
(i) Mail Steamers	1.80	1.08	This due is payable once in sixty days.
(ii) Other sea-going vessels not exceeding 6,000 tons.	1.80	1.08	This due is payable on each entry into the Port.
(iii) Other sea-going vessels exceeding 6,000 tons.	3.50	2.10	This due is payable on each entry into the Port.
(iv) Vessels entering in ballast and not carrying passengers.	75% of the rates mentioned at items I(ii) and (iii)	75% of the rates mentioned at items I(ii) and (iii)	This due is payable on each entry into the Port.
(v) Vessels entering and leaving in ballast and not carrying passengers.	50% of the rates mentioned at items I(ii) and (iii)	50% of the rates mentioned at items I(ii) and (iii)	This due is payable on each entry into the Port.
(vi) Dhuries and Country Boats.	0.90	0.54	This due is payable once in thirty days.

(1)	(2)	(3)
II. Tugs and River Steamers	1 80	1.08 This due is payable once between the 1st January and 30th June and once between the 1st July and 31st December each year.

[F. No. PGR-15/77/(1)]

सां. कां. लि० 58(अ) — केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता पत्तन मार्गदर्शन और अन्य सेवाएं (फीस) आदेश, 1975 में मंजूर करने के लिये निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् —

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम कलकत्ता पत्तन मार्गदर्शन और अन्य सेवाएं (फीस) संशोधन आदेश, 1975 रहे।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त हो जायेगा।

2 कलकत्ता पत्तन मार्गदर्शन और अन्य सेवाएं (फीस) आदेश 1975 में—

(1) खंड 1 में दिये गये "जलयानों के परिवहन और अन्तर्गामी और बहिर्गामी कर्षण के लिये फीस" शब्दों के स्थान पर शब्द "उन जलयानों के परिवहन और अन्तर्गामी तथा बहिर्गामी कर्षण के लिये, जो हल्दिया के डाक, जेट्टी और मॉरिंग में तथा हल्दिया क्षेत्र के आस-पास नदी आने-जाने, फीस" रखे जायेंगे।

(2) खंड 1 के पश्चात् निम्नलिखित खंड रखा जायेगा, अर्थात् —

"5 हल्दिया के डाक, जेट्टी और मूरिंगों में तथा हल्दिया क्षेत्र के आस-पास आने जाने वाले जलयानों के लिए फीस—

हल्दिया के डाक, जेट्टियों, मूरिंगों में तथा हल्दिया क्षेत्र के आस-पास आने-जाने वाले जलयानों का प्रवेश करने के लिये तृतीय अनुसूची में दी गई दरों पर फीस ली जायेगी।"

(3) दूसरी अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ दिया जायेगा, अर्थात् —

"तृतीय अनुसूची

(खंड 5 देखिए)

समद्रीय व्यापार में लगे हुए जलयान	तटवर्ती व्यापार में लगे हुए जलयान
हल्दिया के डाक, जेट्टियों, मूरिंगों में तथा हल्दिया क्षेत्र के आस-पास आने-जाने वाले जलयानों के प्रवेश के लिये प्रभार	रुपए 0 12 प्रति जी आर टी प्रति सप्तिधा के लिए (दर के भाड़े के अतिरिक्त)
	रुपए 0 08 प्रति जी आर टी प्रति सप्तिधा के लिये (दर के भाड़े के अतिरिक्त)

टिप्पण 1 — सहायक बन्दरगाह मास्टर को जलयान पर रोकने के लिये तथा सहायक बन्दरगाह मास्टर की बुकिंग को रद्द किये जाने के लिये, द्वितीय अनुसूची के टिप्पण 1 तथा टिप्पण 3 के अनुसार प्रभार लिया जायेगा।"

[फा० सं० पी जी आर-15/77/(2)]

वीरेन्द्र राज मेहता, सयुक्त सचिव

G.S.R. 58(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order to amend the Port of Calcutta Pilotage and other Services (Fees) Order, 1975 namely :—

1. (1) This order may be called the Port of Calcutta Pilotage and Other Services (Fees) Amendment Order, 1978.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Port of Calcutta Pilotage and Other Services (Fees) Order, 1975, —

(1) in clause 4, for the words "Fees for transporting and hauling in and hauling out of vessels," the words "Fees for transporting and hauling in and hauling out of vessels, other than those operating at the Dock, Jetties, Moorings of, and in the area around, Haldia" shall be substituted.

(2) after clause 4, the following shall be inserted, namely, —

“5. Fees for handling vessels at Dock-Jetties, Moorings of and in area around, Haldia :

Fees for handling of vessels at the Dock, Jetties, Moorings of, and in the area around, Haldia shall be at the rates specified in the Third Schedule.” ;

(3) after the Second Schedule the following shall be added, namely :—

“The Third Schedule

(See clause 5)

	Vessels engaged in overseas trade	Vessels engaged in coastal trade
Charges for handling vessels at the Dock, Jetties, Mooring of, and in the area around, Haldia.	Rs. 0.12 per GRT per operation (Excluding Tug Hire)	Rs. 0.08 per GRT per operation (Excluding Tug Hire)

Note 1—Charges for detention of the Assistant Harbour Master and for cancellation of the booking of the Assistant Harbour Master shall be levied as per Note 1 and Note 3 respectively of the Second Schedule.”

[F. No. PGR-15/77/(2)

V. R. MEHTA, Joint Secy.]